पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक** : .....

उपविषय : समय नियोजन, पाठ-15 **अवधि** : 3-4 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
15.	पठन-पाठन, शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर, चरित्र-चित्रण, घटना सुनाना, समझकर बताना।	परिणाम, प्रतिक्रिया, विस्तृत विवरण, चिंतनात्मक पठन, आशय, संदेश।	सही-गलत वाक्य, शब्द-समूह, संधि, समास, गद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु और निबंधात्मक प्रश्न।	संवाद, प्रतियोगिता, घटना वर्णन, निबंध, पढ़िए और सोचिए।	समय नियोजन, जागरूक, निष्ठा और दृढ़ता।

सामान्य उद्देश्य :

1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :

1. इस पाठ के माध्यम से महापुरुषों के उदाहरण द्वारा समय-नियोजन की महत्ता को बताना। समस्त सफलताओं की कुंजी समय नियोजन है इससे अवगत कराना तथा कार्य समय तालिका बनाने के लिए प्रेरित करना।
2. वाक्यांशों के लिए एक शब्द का बोध कराना, संधि-विच्छेद के लिए उचित संधि का चुनाव कराना तथा समास के भेद से अवगत कराना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए छात्रों से पूछेंगे कि क्या चीज़ है, जो हमारे लिए नहीं रुकती? समय कैसा होता है? सुख-समृद्धि को हम अपनी मुट्ठी में कैसे कर सकते हैं? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम 'समय नियोजन' पाठ-15 का अध्ययन करेंगे।

कॉरडोवा सी.डी. (CD) के माध्यम से पाठ को दर्शाएँगे।

शिक्षण-बिंदु : 'समय नियोजन' पाठ-15 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. हम अकसर किसकी शिकायत करते हैं?	उ. हम अकसर समय के अभाव की, समय न मिलने की शिकायत करते हैं।
प्र.2. समय-विभाजन के अनुसार काम करने से क्या होता है?	उ. समय-विभाजन के अनुसार काम करने से हमारे जीवन की व्यस्तता के बीच भी निश्चिंतता आ जाती है।

प्र.3. किसका जीवन हमें प्रमाणित करता है कि समय विभाजन के अनुसार काम करना चाहिए?	उ. गाँधी जी और नेहरू जी का जीवन हमें प्रमाणित करता है कि समय–विभाजन के अनुसार काम करना चाहिए।

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. जीवन में सफलता के लिए क्या करना चाहिए?

उ. जीवन में सफलता के लिए समय–नियोजन के अनुसार काम करना चाहिए।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. वाक्यों को भली–भाँति पढ़वाएँगे। तत्पश्चात ✓ या ✗ का निशान लगवाएँगे।
2. वाक्यांशों के लिए उचित एक शब्द में ✓ का निशान लगवाएँगे।
3. संधि–विच्छेद के उचित संधि शब्द पर गोला करवाएँगे।
4. समस्त–पदों के समास–विग्रह करवाएँगे। उसके बाद उचित समास लिखवाएँगे।
5. संकेत गद्यांश के अंशों को पाठ में पुनः पढ़वाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उचित उत्तर में ✓ का निशान लगवाएँगे।
6. **कॉरडोवा सी.डी. (CD)** के माध्यम से अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर से संबंधित अंशों को दर्शाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उचित उत्तर लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक से संबंधित विषय में संवाद कराएँगे तथा राष्ट्रीय नेता मदन मोहन मालवीय के जीवन काल से संबंधित घटनाओं पर क्लास में चर्चा करवाएँगे।

परियोजना निर्माण : पंडित जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा पढ़ने के लिए कहेंगे। तथा 'समय का सदुपयोग' शीर्षक पर क्लास में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

निष्कर्ष : बच्चों ने समय–नियोजन के महत्त्व को जाना तथा समय–तालिका बनाने के लिए प्रेरित हुए।

वाक्यांशों के लिए एक शब्द, संधि की पहचान हुई और समास के भेदों से अवगत हुए।

कक्षा–कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।